# WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

BERUNANPUKURIA, POST - MALIKAPUR

BARASAT, 24 PARGANAS (NORTH)

KOLKATA - 700126

WEST BENGAL

## SYLLABUS OF M.A. IN HINDI

## W.E.F. ACADEMIC SESSION 2014

## COURSE CODE - 204

| Semester | Credit Points |
|---|---|
| I | 18 |
| II | 18 |
| III | 18 |
| IV | 18 |

Total Credit Points = 72

# हिंदी विभाग

## एम्. ए. हिंदी

## सन 2014 से लागू

**प्रोग्राम स्पेशिफिक आउटकम : (Programme Specific Outcome)**

स्नातकोत्तर हिंदी के चार सत्रों के अध्ययन करने के पश्चात शिक्षार्थी को हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं और विविध परिदृश्य के बारे में स्पष्ट ज्ञान प्राप्त होगा | साहित्यिक कृतियों से गुजर कर उसकी साहित्यिक समझ विकसित होगी| साथ ही, उसे रचनाकार के समय और समाज में व्याप्त तमाम परिस्थितियों और मूलभूत प्रवृतियों की जानकारी होगी | मौजूदा समय में साहित्य की प्रासंगिकता को समझने में भी यह पाठ्यक्रम सहायक होगा | एम्. ए. हिंदी पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के बाद शिक्षार्थी में संवेदना का विकास होगा एवं एक बेहतर मनुष्य बनने के प्रयास को बल मिलेगा |

***कोर्स आउटकम (Course Outcome)***

**सेमेस्टर : 1**

**सीओ 1 :** हिंदी साहित्य के आदिकालीन और मध्यकालीन साहित्यिक इतिहास के बारे में स्पष्ट अवधारणा विकसित होगी | उक्त कालखंड में रची गई रचनाओं के सन्दर्भ में इतिहास दृष्टि का भी परिचय प्राप्त होगा |

**सीओ 2 :** प्राचीन और मध्यकालीन हिंदी काव्य के स्वरुप से परिचित होने के साथ साथ तद्युगीन काव्य का रसास्वादन करने में विद्यार्थी समर्थ होगा | इन काव्यों में निहित जनजीवन और लोकजीवन के बारे में भी ज्ञान प्राप्त होगा |

**सीओ 3 :** हिंदी कथा साहित्य अर्थात उपन्यास और कहानी के अध्ययन से विद्यार्थी को लगभग सवा सौ वर्षों में लिखे गए प्रमुख उपन्यासों और कहानियों के माध्यम से रचनाकारों के सरोकार और उनकी चिंताओं से रू-ब-रू होने का अवसर मिलेगा |

**सेमेस्टर : 2**

**सीओ 4 :** हिंदी साहित्य के आधुनिक काल में रचे गए साहित्य का सम्यक इतिहास से परिचय स्थापित करने के बाद शिक्षार्थी इस कालखंड की प्रवृत्तियों, विशेषताओं और प्रमुख रचनाओं के बारे में एवं ऐतिहासिक विकास के बारे में अपनी तार्किक बोधशक्ति को समृद्ध कर सकता है |

**सीओ 5 :** ईसवी सन 1850 से लेकर 1936 के दौर में लिखी गई हिंदी की प्रमुख काव्य कृतियों का पाठ और विश्लेषण करने में यह कोर्स सहायक होगा | इसके माध्यम से विद्यार्थी तत्कालीन परिदृश्य के बारे में भी अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं |

**सीओ 6 :** भारतीय काव्यशास्त्र अत्यंत प्राचीन है | भरत के नाट्यशास्त्र से लेकर अठारहवीं सदी तक की काव्यशास्त्रीय परम्परा, विकास के चरण, महत्वपूर्ण स्थापनाएं, दर्शन आदि के साथ साथ काव्य के प्रतिमानों को समझने में यह पत्र सहायक होगा |

**सेमेस्टर : 3**

**सीओ 7** : गद्य की प्रमुख विधाएं नाटक और निबंध के पाठ करने के पश्चात शिक्षार्थी हिंदी नाटकों और निबंधों के प्रारम्भिक काल से लेकर अद्यतन समय तक की प्रमुख रचनाओं की अंतर्वस्तु और शिल्प सौन्दर्य को उद्घाटित करने में समर्थ होगा |

**सीओ 8 :** सन 1936 से लेकर इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक तक सृजित हिंदी कविता के पाठ, समझ, सन्दर्भ, विवेचन, विश्लेषण आदि में समर्थ होने के साथ साथ कविता में निहित समय और समाज की धडकनों को रेखांकित करने में शिक्षार्थी को कौशल प्राप्त होगा |

**सीओ 9 :** यूनानी काव्यशास्त्र से लेकर अद्यतन पाश्चात्य काव्यशास्त्रियों की काव्य और साहित्य सम्बन्धी अवधारणाओं, व्याख्याओं, स्थापनाओं और विचारधाराओं के क्रमिक विकास का ज्ञान प्राप्त होगा | समकालीन विमर्शों के बारे में स्पष्ट अवधारणा प्राप्त करने में यह पत्र सहायक होगा |

**सेमेस्टर : 4**

**सीओ 10 :** हिंदी भाषा के उद्भव और विकास को भली-भाँति जानने और समझने के लिए इस पत्र का विशेष महत्त्व रहेगा | पुनः इस पत्र के माध्यम से भाषा-विज्ञान तथा अनुप्रयोग भाषा विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की सम्यक अवधारणा विकसित होगी |

**सीओ 11 :** हिंदी आलोचना के स्रोत, उसकी परम्परा और विकास का ज्ञान प्राप्त करने में इस पत्र का महत्व रहेगा | इसके माध्यम से विभिन्न युगों में आलोचना के बदलते प्रतिमानों से परिचय स्थापित करने में शिक्षार्थी लाभान्वित होगा |

**सीओ 12 :** यह विशेष पत्र से सम्बंधित **वैकल्पिक कोर्स** (Elective Course) है | भक्ति काव्य अथवा प्रेमचंद का गहन अध्ययन इस पत्र का विशेष लक्ष्य है | शिक्षार्थी अपनी रूचि के अनुसार विकल्प का चयन कर सकते हैं और उक्त विषय पर एक सामग्रिक तथा विशिष्ट ज्ञान प्राप्त करवाने में इस पत्र की भूमिका रहेगी |

## Semester - I

| Course No. | Course Title |
|---|---|
| 204 101. | हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से मध्यकाल तक) |
| 204 102. | प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य |
| 204 103. | कथा-साहित्य (उपन्यास एवं कहानी) |

### Semester - II

| | |
|---|---|
| 204 201. | हिन्दी साहित्य का इतिहास: आधुनिकाल |
| 204 202. | आधुनिक एवं छायावादी कविता |
| 204 203. | भारतीय काव्यशास्त्र |

### Semester - III

| | |
|---|---|
| 204 301. | हिन्दी नाटक एवं निबंध |

204 302. छायावादोत्तर काव्य

204 303. पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं समकालीन विमर्श

**Semester - IV**

204 401. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा का विकास

204 402. हिन्दी आलोचना

204 403. विशेष पत्र - भक्ति काव्य अथवा प्रेमचंद

**विशेष: प्रत्येक पत्र सौ अंकों का है। सतत् मूल्यांकन 20 : और सत्रांक परीक्षा हेतु 80 : निर्धारित हैं। सतत् मूल्यांकन का प्रारूप निम्नवत् होगा:-**

सेमेस्टर - I : परियोजना कार्य

सेमेस्टर - II : सेमिनार

सेमेस्टर - III : सत्र के मध्य लिखित परीक्षा

सेमेस्टर - IV : मौखिकी

# SEMESTER -I

**204 101. हिंदी साहित्य का इतिहास ( आदिकाल से मध्यकाल तक)**

**इकाई -1**

- साहित्य का इतिहास दर्शन, इतिहास लेखन की परंपरा
- काल विभाजन और नामकरण की समस्या

**इकाई-2**

- आदिकाल की पृष्टभूमि, सिद्ध ,नाथ एवं जैन साहित्य
- रासो साहित्य विशेषताएं एवं प्रवृतियां

**इकाई-3**

- भक्ति का उदय -राजनीतिक ,सामाजिक ,धार्मिक व दार्शनिक पृष्ठभूमि
- भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप
- निर्गुण और सगुण भक्ति : साम्य एवं वैषम्य
- संत कवियों की निर्गुण भक्ति व प्रवृत्तियाँ

**इकाई-4**

- सूफी काव्य का स्वरुप एवं विकास

- सूफी काव्य की प्रवृतियाँ

**इकाई-5**

- कृष्ण काव्य परंपरा ,अष्टछाप और उनके प्रमुख कवि

- कृष्ण काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

- संप्रदाय मुक्त कृष्णभक्त कवि - मीरा और रसखान

**इकाई-6**

- रामभक्ति काव्यधारा और उनके प्रमूख कवि

- तुलसीदास और 'रामचरित मानस'

- रामकाव्य की प्रमुख प्रवितियाँ और परवर्ती रामकाव्य

**इकाई-7**

- रीतिकालीन काव्य की सामाजिक ,राजनितिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- रीतीकालीन कविता की विविध धाराएँ
- रीतिकालीन श्रृंगारेतर काव्य -सामान्य परिचय

**<u>सहायक पुस्तकें</u>**


(1) साहित्येतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा
(2) हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल
(3) हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी
(4) हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी
(5) नाथ संप्रदाय - हजारी प्रसाद द्विवेदी
(6) हिंदी साहित्य :उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी
(7) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा
(8) हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
(9) इतिहास और आलोचना -मैनेजर पाण्डेय
(10) हिंदी साहित्य का इतिहास -(सं.) नगेन्द्र
(11) हिंदी साहित्य का इतिहास -रामकिशोर शर्मा
(12) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास -बच्चन सिंह
(13) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास -बच्चन सिंह
(14) हिंदी गद्य :विन्यास और विकास -रामस्वरूप चतुर्वेदी
(15) साहित्य और इतिहास दृष्टी - मैनेजर पाण्डेय
(16) भक्ति काव्य और लोकजीवन -शिव कुमार मिश्र
(17) भक्ति का विकास - मुंशी राम शर्मा
(18) उत्तर भारत की संत परंपरा - परशुराम चतुर्वेदी

## 204 102 <u>प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य</u>

**प्राचीन ( आदिकालीन काव्य )**

**इकाई -1 रासो काव्य और चंदवरदाई**

- पृथ्वीराज रासो का काव्य -सौष्ठव
- पृथ्वीराज रासो का भाषिक वैशिष्ट्य
- व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न हेतु निर्धारित पाठ
  '**कयमास वध'** (आरंभिक 10 पद )

**इकाई -2 संत काव्य और कबीर**

- कबीर की समाज चेतना
- भक्त कवि कबीर
- कबीर का रहस्यवाद
- कबीर की भाषा
- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तक
  '**कबीर ग्रंथावली' (सं.- श्यामसुंदर दास)**

  पद सं. 1,2,3,11,16,17,21,23,24,25

**इकाई – 3 सूफी काव्य और जायसी**

- प्रेमाख्यानक काव्य में कथानक रूढियाँ

- जायसी की प्रेम व्यंजना

- 'पद्मावत' में लोक-जीवन

- 'पद्मावत' में प्रकृति-चित्रण

- नागमती वियोग वर्णन की विशेषता

- 'पद्मावत' का शिल्प विधान

- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ

  '**नागमती वियोगखंड'** **(जायसी ग्रंथावली- सम्पादक - रामचन्द्र शुक्ल** )

**इकाई - 4 कृष्णभक्ति काव्य और सूरदास**

- 'भ्रमरगीत सार' - सगुण एवं निर्गुण का स्वरूप
- 'भ्रमरगीत सार' में श्रृंगार वर्णन
- नारी स्वाभिमान एवं 'भ्रमरगीत सार'
- 'भ्रमरगीत सार' में गोपियों की वाग्विदग्धता
- 'भ्रमरगीत सार' में लोकजीवन
- सूरदास की भक्ति भावना
- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ

**'भ्रमरगीत सार' से 10 पद ( सं.-रामचंद्र शुक्ल )**

- पद संख्या -21,23,24,28,36,39,47,55,58,61

**इकाई -5 राम भक्तिकाव्य और तुलसीदास**

- तुलसीदास की काव्य दृष्टि
- 'रामचरितमानस' में सामाजिक-पारिवारिक आदर्श
- तुलसीदास की समन्वय भावना
- उत्तरकाण्ड में निहित ज्ञान ,कर्म और भक्ति
- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तक

**उत्तरकाण्ड ('रामचरितमानस' ,गीता प्रेस गोरखपुर )**

दोहा संख्या 101 से 130 तक

**इकाई -6 रीतिकाव्य और बिहारी**

- भक्ति ,नीति एवं श्रृंगार के कवि
- बिहारी की बहुज्ञता
- कल्पना की समाहार शक्ति एवं भाषा की समासोक्ति
- 'बिहारी सतसई' में समाज
- काव्यकला
- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तक

**बिहारी प्रकाश (सं .- आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र )**

आरंभिक 30 दोहे

**इकाई -7 रीतिकाव्य और घनानंद**

- प्रेम की पीर के कवि
- स्वच्छंद कवि घनानंद
- घनानंद की प्रेम सम्बंधित अवधारणा
- काव्य में लाक्षणिकता एवं व्यंजनात्मकता
- घनानंद की काव्य कला
- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तक

  **घनानंद कवित्त (सं .- आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र )**

**<u>सहायक पुस्तकें</u>**


**(1)** संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो - (सं.) हजारीप्रसाद द्विवेदी/नामवर सिंह
**(2)** पृथ्वीराज रासो :भाषा और साहित्य - नामवर सिंह
**(3)** कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
**(4)** जायसी ग्रंथावली - रामचंद्र शुक्ल
**(5)** भ्रमरगीतसार - रामचंद्र शुक्ल
**(6)** त्रिवेणी - रामचंद्र शुक्ल
**(7)** जायसी - विजयदेवनारायण साही
**(8)** तुलसीदास - माताप्रसाद गुप्त
**(9)** कबीर ग्रंथावली (सटीक) - रामकिशोर शर्मा
**(10)** जायसी : एक नयी दृष्टि - रघुवंश
**(11)** कबीर मीमांसा - रामचंद्र तिवारी
**(12)** बिहारी की वाग्विभूती - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
**(13)** स्वछंद काव्यधारा और घनानंद - मनोहरलाल गौड़
**(14)** रीतिकाव्य की भूमिका - नगेन्द्र
**(15)** बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह
**(16)** रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना - बच्चन सिंह
**(17)** घनानंद का श्रृंगार काव्य - रामदेव शुक्ल

**204 103 कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी )**

**इकाई -1 हिंदी उपन्यास : स्वरुप एवं विकास**

- उपन्यास की अवधारणा और हिंदी उपन्यास
- प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास
- प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास
- प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास
- साठोत्तरी उपन्यास एवं उनकी विशेषताएं

**इकाई-2 हिंदी कहानी :स्वरुप और विकास**

- प्रेमचंद पूर्व हिंदी कहानी
- प्रेमचन्दयुगीन हिंदी कहानी
- प्रेमचंदोत्तर हिंदी कहानी
- विविध आन्दोलन
- समकालीन कहानी :संवेदना और शिल्प

**इकाई -3 प्रेमचंद और गोदान**

- 'गोदान' और भारतीय किसान
- 'गोदान' में गाँव और शहर
- 'गोदान' में मुख्य चरित्र
- 'गोदान' में यथार्थ और आदर्श
- 'गोदान' का शिल्प

**इकाई -4 रेंणु और मैलाआँचल**

- आंचलिक उपन्यास की अवधारणा और 'मैला आँचल'
- 'मैला आँचल' में लोकसंस्कृति
- 'मैला आँचल' में चरित्र विधान

- 'मैला आँचल' का वस्तु विन्यास और शिल्प

- 'मैला आँचल' की भाषा

**इकाई -5 हजारी प्रसाद द्विवेदी और बाणभट्ट की आत्मकथा**

- बाणभट्ट की आत्मकथा में इतिहास और और कल्पना

- बाणभट्ट की आत्मकथा में आधुनिकता

- बाणभट्ट की आत्मकथा में जीवन दृष्टि

- बाणभट्ट की आत्मकथा में नारी मुक्ति की अवधारणा

- बाणभट्ट की आत्मकथा की औपन्यासिक शैली

- बाणभट्ट की आत्मकथा का भाषा सौष्ठव

**इकाई -6 हिंदी कहानी**

उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'

आहुति - प्रेमचंद

मधुआ - जयशंकर प्रसाद

परदा - यशपाल

अमृतसर आ गया है - भीष्म साहनी

तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेंणु

दोपहर का भोजन - अमरकांत

भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई

यही सच है - मन्नू भंडारी

तिरिछ - उदयप्रकाश

**<u>सहायक पुस्तकें</u>**

**(1)** कहानी :नयी कहानी - नामवर सिंह

**(2)** कहानी :शिल्प और संवेदना - राजेंद्र यादव

**(3)** उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा - परमानन्द श्रीवास्तव

**(4)** गोदान - सं. सत्य प्रकाश मिश्र

**(5)** प्रेमचंद - सं . विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

**(6)** प्रेमचंद और उनका युग - रामविलाश शर्मा

**(7)** आधुनिकता और हिंदी उपन्यास - इन्द्रनाथ मदान

**(8)** प्रेमचंद के आयाम - ए० अरविंदाक्षन

**(9)** उपन्यास की संरचना - गोपाल राय

**(10)** हिंदी कहानी का इतिहास - गोपाल राय

**(11)** हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय

**(12)** हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश

**(13)** प्रेमचंद: विरासत का सवाल - शिव कुमार मिश्र

**(14)** एक दुनिया समानांतर - राजेंद्र यादव

# SEMESTER -II

**204 201 हिंदी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल**

**इकाई -1**

- आधुनिकता की अवधारणा और उसकी पृष्टभूमि
- मध्यकालीन बोध एवं आधुनिकता
- आधुनिक काल के उदय के कारण

**इकाई-2**

- हिंदी नवजागरण, भारतेंदु और भारतेंदु मंडल
- भारतेंदु युगीन कविता स्वरूप, विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ
- भारतेंदु युगीन नाटक एवं अन्य गद्यविधाए

**इकाई-3**

- काव्यभाषा के रूप में खड़ी बोली की प्रतिष्ठा
- काव्य में विकास में महावीर प्रसाद ,हरिऔध और मैथलीशरण गुप्त का योगदान

**इकाई-4**

- छायावादी, प्रगतिवादी,प्रयोगवादी कविता का स्वरूप

**इकाई- 5**

- छायावादी गद्य साहित्य का विकास
- प्रगतिवादी गद्य साहित्य का विकास

**इकाई -6**

- समकालीन कविता का विकासात्मक परिचय
- समकालीन कहानी,उपन्यास और नाटक की विकास यात्रा

**इकाई-7**

- सहस्राब्दी के अंतिम दो दशकों की  कहानियां
- सहस्राब्दी के अंतिम दो दशकों के उपन्यास

**<u>सहायक पुस्तकें :</u>**

(1) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - बच्चन सिंह
(2) हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
(3) हिंदी काव्य-संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
(4) भारतेंदु-युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा - रामविलास शर्मा
(5) महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण - रामविलाश शर्मा
(6) 'पल्लव ' - सुमित्रानंदन पंत
(7) आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह
(8) छायावाद -नामवर सिंह
(9) छायावाद और प्रगतिबाद -नलिनविलोचन शर्मा
(10) छायावाद का पतन - देवराज
(11) रस्साकस्सी -वीरभारत तलवार

**204 202 भारतेंदु युगीन एवं छायावादी कविता**

**इकाई-1 हिंदी नवजागरण और भारतेंदु**

- भारतेंदु युगीन कविता में राष्ट्र प्रेम की भावना
- भारतेंदु युगीन कविता में सामाजिक दुर्दशा का निरूपण
- भारतेंदु युगीन कविता में जातीय चेतना
- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ

  **भारतेंदु ग्रंथावली से पाँच मुकरियां (1,5,8,12,14)**

**इकाई-2 हिंदी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी**

- मैथलीशरण गुप्त की काव्य –संपदा
- मैथलीशरण गुप्त का काव्य-वैभव
- 'साकेत' का विरह-वर्णन
- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ
- '**साकेत'–नवम सर्ग**

**इकाई-3 छायावाद और 'कामायनी'**

- 'कामायनी 'में रूपक तत्व

- 'कामायनी 'की विश्वदृष्टि
- 'कामायनी 'का आधुनिक सन्दर्भ
- 'कामायनी 'का प्रबंध विन्यास
- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ

**'कामायनी'- श्रद्धा सर्ग**

**इकाई- 5 छायावाद और निराला का काव्य**

- निराला की प्रगतिशील चेतना
- निराला काव्य में विविध प्रयोग
- मुक्तछंद की अवधारणा एवं निराला
- निराला की काव्य भाषा
- विद्रोह एवं क्रांति के कवि निराला
- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ

**'राम की शक्तिपूजा'**

**इकाई-6 छायावाद और पंत का काव्य**

- छायावादी काव्य में प्रकृति
- कल्पना का अभिषेक एवं छायावाद
- पंत का प्रकृति चित्रण
- पंत की काव्य-यात्रा
- पंत की काव्य-भाषा
- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ

**'नौका विहार'**

**इकाई – 7 छायावाद और महादेवी का काव्य**

- महादेवी के काव्य में वेदना भाव
- महादेवी के काव्य में रहस्य वाद
- गीति तत्व एवं महादेवी

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ

**मैं नीर भरी दुःख की बदली**

**हे चिर महान**

**जाग तुझको दूर जाना**

**<u>सहायक पुस्तकें:</u>**

(1) साकेत: विचार एवं विश्लेषण - वचनदेव कुमार

(2) साकेत के नवम सर्ग का काव्य वैभव- कन्हैयालाल सहगल

(3) कामायनी की रचना प्रक्रिया - गिरीश राय

(4) कामायनी:एक पुनर्विचार–जानन माधव'मुक्तिबोध'

(5) कामायनी का पुनर्पाठ -सं. परमानंद श्रीवास्तव

(6) निराला: कवि- छवि- नंदकिशोर नवल

(7) प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर

(8) छायावाद- नामवर सिंह

(9) चार लंबी कविताएँ–नंदकिशोर नवल

(10) निराला का अलछित अर्थ गौरव- पांडेय शशिभूषण 'शितांशु

(11) महादेवी वर्मा -परमानंद श्रीवास्तव

(12) महादेवी वर्मा: नया मूल्यांकन –गनपतिचंद्र गुप्त

(13) आधुनिक साहित्य - नंद दुलारे वाजपेयी

(14) निराला से रघुवीर सहाय तक–कृष्णरायन कक्कड़

(15) निराला : आत्महन्ता आस्था -दूध नाथ सिंह

(16) निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा

(17) महादेवी वर्मा - इंद्रनाथ मदान

(18) सुमित्रानंदन पंत - नगेन्द्र

(19) पंत जीवन और साहित्य- शान्ति जोशी

(20) कामायनी का पुनर्मूल्यांकन- रामस्वरूप चतुर्वेदी

(21) प्रसाद,निराला, अज्ञेय–रामस्वरूप चतुर्वेदी

**204 203 भारतीय काव्यशास्त्र**

**इकाई-1**

- भारतीय काव्य का स्वरूप और उसकी परंपरा
- काव्य के लक्षण ,हेतु एवं प्रयोजन
- काव्य गुण,काव्य दोष

**इकाई -2**

- रस म स्वरूप और उसके अवयव
- रस सिद्धांत
- रस निष्पत्ति

- रस के भेद
- सहृदय की अवधारणा और साधारणीकरण

**इकाई – 3**

- अलंकार का स्वरूप और प्रमूख अलंकारवादी आचार्य
- रीति का स्वरूप और उसके भेद

**इकाई -4**

- ध्वनि का स्वरूप और उसके भेद
- वक्रोक्ति का स्वरूप और उसके भेद

**इकाई -5**

- शब्द शक्तियाँ- अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना
  परिभाषा एवं भेदोपभेद

**इकाई – 6**

- छंदशास्त्र/पिङ्गल शास्त्र की अवधारणा
- हिंदी छंदशास्त्र का विकास
- छन्दों के विविध आधार- लय, तुक, ताल

**इकाई -7**

- नाट्य सिद्धान्त –लक्षण एवं अंग
- नाट्य रचना के तत्त्व–वस्तु, नेता, रस , अभिनय

**<u>सहायक पुस्तकें</u>**


(1) संस्कृत आलोचना - बलदेव उपाध्याय
(2) संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास,भाग 1-2(अनु.) – सुशील कुमार डे
(3) रस मीमांसा - रामचंद्र शुक्ल
(4) रस सिद्धांत - नगेन्द्र
(5) नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक - हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
(6) भारतीय काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र
(7) भारतीय काव्यशास्त्र - योगेंद्र प्रताप सिंह

(8) भारतीय काव्यशास्त्र - निशा अग्रवाल

(9) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूप रेखा – रामचंद्र तिवारी

(10 )भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी

# SEMESTER -III

**204 301हिंदी नाटक एवं निबंध**

**इकाई -1**

- नाटक की भारतीय अवधारणा और उसकी परंपरा
- आधुनिक हिंदी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव
- हिंदी नाटक का उद्भव व विकास

**इकाई-2 भारतेंदु हरिश्चंद्र और अंधेर नगरी**

- अंधेर नगरी का यथार्थ बोध
- अंधेर नगरी में व्यंग्य
- अंधेर नगरी की अभिनेयता
- अंधेर नगरी का शिल्प
- अंधेर नगरी की भाषा

**इकाई-3 जयशंकर प्रसाद और चंद्रगुप्त**

- चंद्रगुप्त में राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चेतना
- चंद्रगुप्त में इतिहास दृष्टि
- चंद्रगुप्त में चरित्र विधान
- चंद्रगुप्त की अभिनेयता
- चंद्रगुप्त का नाट्य शिल्प

**इकाई -4 मोहन राकेश और 'आधे अधूरे'**

- सामाजिक यथार्थ के परिपेक्ष्य में 'आधे अधूरे'
- 'आधे अधूरे' में आधुनिकता बोध
- 'आधे अधूरे' की प्रयोगधर्मिता
- 'आधे अधूरे' की अभीनेयता

- 'आधे अधूरे' की नाट्य भाषा

**इकाई-5 एकांकी और नुक्कड़ नाटक**

- **तांबे के कीड़े** - भुवनेश्वर
- **औरत** - सफदर हाशमी

नया रंगमंच नए प्रयोग

**इकाई-6 निबंध**

- व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न हेतु निर्धारित निबंध

**कविता क्या है ?** - रामचंद्र शुक्ल

**नाखून क्यों बढ़ते हैं ?**- हजारी प्रसाद द्विवेदी

**<u>सहायक पुस्तकें</u>**

(1) हिंदी नाटक- - बच्चन सिंह
(2) प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचना - गोविंद चातक
(3) मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरीश रस्तोगी
(4) हिंदी नाटक उद्भव एवं विकास - दशरथ ओझा
(5) साठोत्तरी हिंदी नाटक - के०वी० नारायण कुरूप
(6) हिंदी नाटक का आत्म संघर्ष - गिरीश रस्तोगी
(7) आधुनिक हिंदी नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश - गोविंद जातक
(8) जयशंकर प्रसाद और चंद्रगुप्त - गिरीश रस्तोगी
(9) नाटककार जयशंकर प्रसाद - सत्येंद्र कुमार तनेजा
(10) भारतेंदु और अंधेर नगरी - गिरीश रस्तोगी
(11) हिंदी निबंध - विजय शंकर मल्ल
(12) हिंदी निबंध - प्रभाकर माचवे
(13) हिंदी निबंध का विकास - ओंकार नाथ शर्मा

**204 302 छायावादोत्तर काव्य**

**इकाई-1 रामधारी सिंह दिनकर और उर्वशी**

- राष्ट्रीय चेतना काव्य धारा

- रामधारी सिंह दिनकर
- उर्वशी तृतीय सर्ग व्याख्या हेतु

**इकाई -2 केदारनाथ अग्रवाल और उनकी कविता**

- प्रगतिवादी काव्य की लोक-चेतना
- केदारनाथ अग्रवाल का सौंदर्य-बोध
- केदारनाथ अग्रवाल का प्रकृति-चित्रण
- व्याख्या हेतु

केदारनाथ अग्रवाल - **जब जब मैंने उसको देखा**

**- चंद्र गहना से लौटती बेर**

**- आज नदी बिल्कुल उदास थी**

**इकाई-3 अज्ञेय और उनकी कविता**

- तार सप्तक और प्रयोगवाद
- अज्ञेय की कविता व्यक्ति से समाज की ओर
- अज्ञेय की काव्य भाषा
- व्याख्या हेतु

अज्ञेय –**'असाध्य वीणा'**

**इकाई 4 मुक्तिबोध और उनकी कविता**

- मुक्तिबोध की काव्य की रचना प्रक्रिया
- यथार्थ और फैंटेसी
- मुक्तिबोध की लंबी कविताएं - जटिल यथार्थ की समग्र अभिव्यक्ति

मुक्तिबोध –**'अंधेरे में'**

**इकाई 5 रघुवीर सहाय और उनकी कविता**

- रघुवीर सहाय की राजनीतिक चेतना

- रघुवीर सहाय की काव्य भाषा
- रघुवीर सहाय की नारी चेतना
- व्याख्या हेतु

रघुवीर सहाय–'**रामदास'**

**इकाई**-6 **सुदामा पाण्डेय धूमिल और उनकी कविता**

- धूमिल की कविताएं समकालीन जीवन यथार्थ का सीधा साक्षात्कार
- धूमिल की काव्य भाषा
- व्याख्या हेतु

धूमिल **- पटकथा**

**<u>सहायक पुस्तकें</u>**


**(1)** हिंदी काव्य संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

**(2)** आत्मनेपद,सर्जना और संघर्ष - अज्ञेय

**(3)** कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह-

**(4)** नई कविता के प्रतिमान - लक्ष्मीकांत वर्मा

**(5)** नई कविता का आत्म संघर्ष - मुक्तिबोध

**(6)** नई कविता स्वरूप और समस्याएं - जगदीश गुप्त

**(7)** आधुनिक हिंदी काव्य रूप और संरचना - निर्मला जैन

**(8)** रघुवीर सहाय का कवि कर्म - सुरेश शर्मा

**(9)** समकालीन बोध और धूमिल का काव्य - हुकुमचंद राजपाल

**(10)** समकालीन कविता का व्याकरण - परमानंद श्रीवास्तव

**(11)** साहित्य में सृजन के आयाम और विज्ञानवादी दृष्टि - राजेंद्र कुमार

**(12)**आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास - नंदकिशोर नवल


**204 303 पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं समकालीन विमर्श**

**इकाई -1**

- प्लेटो - अनुकरण सिद्धांत
- अरस्तू - विरेचन सिद्धांत
- ट्रेजिडी सिद्धांत

**इकाई -2**

- लौंजाइनस का उदात्त सिद्धांत
- पुनर्जागरण एवं नव्शास्त्रवाद

**इकाई-3**

- स्वछंदतावादी युग
- वर्ड्सवर्थ का साहित्य सिद्धांत
- क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद

**इकाई -4**

- आई.ए.रिचर्ड्स - मूल्य सिद्धांत
- - सम्प्रेषण सिद्धांत
- टी.एस.इलियट - निर्वैक्तिकता का सिद्धांत

नयी समीक्षा की विशेषताएं

**इकाई -5 विभिन्न साहित्यिक वादों का संक्षिप्त अध्ययन**

- आदर्शवाद
- यथार्थवाद
- प्रतीकवाद
- बिम्बवाद
- मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवाद
- कला,कला के लिए
- कला जीवन के लिए

**इकाई -6 समकालीन विमर्शों का संक्षिप्त अध्ययन**

- आधुनिकता
- उत्तर आधुनिकता
- संरचनावाद
- उत्तर संरचनावाद

- विखण्डनवाद
- भूमंडलीकरण

**<u>सहायक पुस्तकें</u>**


**(1)** पाश्चात्य साहित्यालोचना के सिद्धांत (अनु.) - लीलाधर गुप्त
**(2)** साहित्य सिद्धांत (अनु.) - रेनेवेलेक
**(3)** पोयटिक्स - सं. नगेन्द्र
**(4)** टी .एस .इलियट के आलोचना सिद्धांत - शिवमूर्ति पाण्डेय
**(5)** समीक्षा के नये प्रतिमान - निर्मला जैन
**(6)** हिंदी साहित्य कोश (भाग-1) - धीरेन्द्र वर्मा
**(7)** पाश्चात्य काव्यशास्त्र - तारकनाथ बाली
**(8)** पाशात्य साहित्यालोचन की अर्वाचीन प्रवृतियाँ - सतीश चन्द्र देव
**(9)** पाश्चात्य काव्य शास्त्र की परम्परा - (सं.) सावित्री सिन्हा
**(10)**पाश्चात्य काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र
**(11)**पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा
**(12)**उत्तर आधुनिक साहित्य विमर्श - सुधीश पचौरी
**(13)**हिंदी आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह
**(14)**डीकंस्ट्रक्सन बनाम विसंरचनावाद :देरिदा एवं अन्य चिन्तक -पाण्डेय शशि भूषण ' शीतांशु'
**(15)**हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली - अमरनाथ

SEMESTER -IV

## भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा का विकास 401

**इकाई -1**

**स्वन प्रक्रिया**

- स्वनिम विश्लेषण

अक्षर - , सुर स्वनिम , अनुतान

स्वन प्रक्रिया -

रूप स्वनिमिकी परिवर्तन की प्रवृत्तियाँ -

**इकाई -2**

**रूप एवं पद विज्ञान**

रुपिम -

रुपिम का निर्धारण -

रुपिम या रूपांश के भेद -

रूप परिवर्तन की दिशाएँ - , रूप परिवर्तन के कारण

हिन्दी की शब्द सम्पदा -

**इकाई -3**

**वाक्य विज्ञान एवं प्रोक्ति विज्ञान**

पदबंध - , वाक्य रचना के आधार

वाक्य के अंग -

चोम्स्की की दृष्टि -

वाक्य के भेद -

**इकाई -4**

**अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान**

स्वरूप -

विविध संदर्भ -

भाषा शिक्षण -

समाज भाषा विज्ञान -

मनोभाषा विज्ञान -

**इकाई -5**

**शैली विज्ञान**

स्वरूप -

भाषाई क्षमता -

भाषाई संसाधनों का अध्ययन -

भाषा का अभिव्यंजना पक्ष -

**इकाई -6**

**हिन्दी भाषा का विकास**

हिन्दी का उद्‌भव और विकास -

अपभ्रंश - , अवहट्‌ट और पुरानी हिन्दी

**इकाई -7**

हिन्दी और उसकी प्रमुख बोलियाँ -

उर्दू रूपों का संबंध - हिन्दी -

## सहायक पुस्तकें :


1. भाषा विज्ञान भोलानाथ तिवारी -
2. भाषा विज्ञान की भूमिका देवेन्द्रनाथ शर्मा -
3. भाषा विज्ञान प्रवेश एवं हिन्दी भाषा भोलानाथ तिवारी -
4. भाषा विज्ञान राजमाल बोरा -
5. भाषा विज्ञान , हिन्दी भाषा और लिपि रामकिशोर शर्मा -
6. भाषा विज्ञान के सिद्‌धांत और हिन्दी भाषा द्‌वारिकाप्रसाद सक्स -ेना
7. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र कपिलदेव द्‌विवेदी -
8. हिन्दी भाषा कैलाशचंद्र भाटिया - स्वरूप और विकास :
9. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका मोतीलाल गुप्त -
10. सामान्य भाषा विज्ञान बाबूराम सक्सेना -

11.हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास हरदेव बाहरी -

12.हिन्दी जाति प्रो॰ अमरनाथ -

## 402 204 : हिन्दी आलोचना

**इकाई -1 हिन्दी आलोचना और उसकी अवधारणा**

भारतेन्दु पूर्व हिन्दी आलोचना -

_ भारतेन्दु युगीन हिन्दी आलोचना -

**इकाई -2**

महावीर प्रसाद द्‌विवेदी एवं हिन्दी आलोचना -

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना पद्‌धति -

**इकाई -3**

शुक्लोत्तर आलोचना पद्‌धतियाँ

प्रगतिवादी आलोचना -

मनोविश्लेषणवादी आलोचना -

स्वछन्दतावादी आलोचना -

**इकाई -4**

आचार्य हजारीप्रसाद द्‌विवेदी की आलोचना पद्‌धति -

आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी की आलोचना पद्‌धति -

**इकाई -5**

डॉ॰ - प्रमुख मार्क्सवादी समीक्षक - रामविलास शर्मा की आलोचना पद्‌धति

डॉ॰ नामवर सिंह की आलोचना पद्‌धति -

डॉ॰ मैनेजर पाण्डेय की आलोचना पद्‌धति -

**सहायक पुस्तकें :**


1. इतिहास और आलोचना नामवर सिंह -
2. समालोचना समुच्चय महावीरप्रसाद द्‌विवेदी -

3. हिन्दी साहित्य नन्ददुलारे वाजपेयी - बीसवीं शताब्दी :
4. आधुनिक हिन्दी की बीसवीं शताब्दी निर्मला जैन -
5. हिन्दी आलोचना विश्वनाथ त्रिपाठी -
6. हिन्दी आलोचना का विकास मधुरेश -
7. हिन्दी आलोचना का विकास नंदकिशोर नवल -

8.हिन्दी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल शिवकुमार मिश्र -
8. आलोचक और आलोचना रामचन्द्र तिवारी -

## 403 204विशेष प्रश्न पत्र

### भक्तिकाल

**इकाई -1**

स्वरूप और भेद : भक्ति काव्य -

भक्तिकाल की राजनीतिक - , सामाजिक , धार्मिक , सांस्कृतिक पृष्टभूमि

सांस्कृतिक एवं परंपरागत विकास : भक्ति आंदोलन -

भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स - ्वरूप

लोकजागरण का काव्य : भक्ति काव्य -

**इकाई -2**

भक्ति का विकास -

वेद से बुद्ध तक -

वेद से गुप्त युग तक -

आलवर - , नायनार

कुमारिल भट्ट - , शंकराचार्य

सिद्ध - , नाथ , जैन

भक्तिकाव्य और लोकधर्म -

सांस्कृतिक प्रदेय - सामाजिक : भक्तिकाव्य -

**इकाई -3**

निर्गुण और सगुण भक्ति धाराओं का विकास -

निर्गुण और सगुण भक्ति का स्वरूप -

कबीर और - तुलसी के राम

**इकाई -4**

कबीर का समाज दर्शन -

कबीर का रहस्यवाद -

कवि के रूप में : कबीर-

कबीर की भाषा-

कबीर की प्रासंगिकता-

**इकाई -5**

भारतीय प्रेमाख्यानक काव्य और उनकी परंपरा-

जायसी की प्रेम भावना-

जायसी की सौंदर्यानुभूति-

- 'पद्मावत' में लोकतत्व
- 'पद्मावत' में वर्णित प्रकृति
- 'पद्मावत' में रूपक

जायसी की भाषा-

**इकाई -6**

शुद्धाद्वैत दर्शन एवं पुष्टिमार्गीय भक्ति -

कृष्णकाव्य परंपरा और अष्टछाप -

सूरदास की भक्ति -

सूरदास का वात्सल्य वर्णन -

सूरदास का शृंगार वर्णन -

सूरदास का प्रकृति चित्रण -

- 'सूरसागर' में लोकतत्व
- 'भ्रमरगीत सार' निर्गुण पर सगुण की विजय :
- 'भ्रमरगीत सार' में गोपियों की वाग्विदग्धता एवं उक्ति वैचित्र्य

**इकाई -7**

रामभक्ति काव्य और उनकी परंपरा -

तुलसीदास और उनकी रचनाएँ -

भक्त कवि तुलसीदास -

तुलसी काव्य में लोकमंगल -

तुलसी की समन्वय भावना -

तत्कालीन परिवेश के स - ंदर्भ में तुलसी काव्य

तुलसीदास की प्रगतिशील चेतना -

तुलसी की भाषा -

**सहायक पुस्तकें :**


1 . हिन्दी साहित्य का इतिहास रामचन्द्र शुक्ल -

2 . त्रिवेणी रामचन्द्र शुक्ल -

3 . भक्तिकाव्य का समाजशास्त्र प्रेमशंकर -

4 . भक्तिकाव्य और लोकजीवन शिवकुमार मिश्र -

5 . भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य शिवकुमार मिश्र -

6 . कबीर मीमांसा रामचन्द्र तिवारी -

7 . जायसी विजयदेवनारायण -

8 . सूरदास ब्रजेश्वर शर्मा -

9 . तुलसीदास रामचन्द्र शुक्ल -

10 . भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास रामविलास शर्मा -

11 . अकथ कहानी प्रेम की पुरु - कबीर की कविता :षोत्तम अग्रवाल
और उनका समय

12 . उत्तरी भारत की संत परंपरा पुरुषोत्तम चतुर्वेदी -

13 . भक्ति का विकास मुंशीराम शर्मा -

14 . भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य मैनेजर पाण्डेय -


**204 403 विशेष प्रश्न पत्र**

**<u>प्रेमचंद</u>**

__**इकाई -1** प्रेमचंद का जीवनवृत्त

**इकाई -2** सेवासदन

**इकाई -3** कर्मभूमि

**इकाई -4** कहानियाँ कफन :, ठाकुर का कुआँ , मंत्र ,ईदगाह , दो बैलों की कथा

**इकाई -5** निबंध साहित्य का उद्देश्य :

**इकाई -6** नाटक तथा अन्य विधाएँ -

कर्बला -

संपादक के रूप में : प्रेमचंद-

**इकाई -7** प्रेमचंद के समीक्षक रामविलास शर्मा -

कमल किशोर गोयनका -

शिवकुमार मिश्र -

**सहायक पुस्तकें :**

1 . प्रेमचंद और उनका युग रामविलास शर्मा -

2 . प्रेमचंद के आयाम ए॰ अरविंदाक्षन -

3 . प्रेमचंद शिवकुमार मिश्र - विरासत का सवाल :

4 . किसान , राष्ट्रीय आंदोलन और प्रेमचंद :1918-1922 -वीरभारत तलवार

5 . प्रेमचंद शिवरानी देवी- घर में :

6 . कहानीकार प्रेमचंद डॉ॰ एम॰ सी॰ जोशी - एक पुनर्मूल्यांकन :

7 . प्रेमचंद की कहानियाँ सं॰ डॉ॰ राजेन्द्र कुमार - परिप्रेक्ष्य और परिदृश्य :

8 . कहानीकार प्रेमचंद डॉ॰ शिवकुमार मिश्र - रचना दृष्टि और रचना :

9 . प्रेमचंद की विशेष रचनाएँ सं॰ डॉ॰ प्रदीप जैन -

10 . प्रेमचंद और भारतीय समाज नामवर सिंह -

11 . प्रेमचंद नन्ददुलारे वाजपेयी - एक साहित्यिक विवेचन :

12 . प्रेमचंद विश्वनाथ प्रसाद तिवारी -

13 . प्रेमचंद और भारतीय किसान रामबक्ष -

14 . प्रेमचंद जैनेन्द्र - एक कृति व्यक्तित्व :

15 . प्रेमचंद की उपन्यास कला जनार्दन प्रसाद झा द्विज -

16 . कलाम का सिपाही अमृत राय -